1. आदिकाल (1000 ई. से 1350 ई. तक)

- हिंदी साहित्य के प्रथम चरण को ही आदिकाल के नाम से जाना जाता है।
- इस चरना को आदिकाल नाम सर्वप्रथम आचार्य हंजारी प्रसाद द्विवेदी के द्वारा प्रदान किया गया था।

① आदिकाल
② भक्तिकाल
③ रीतिकाल
④ आधुनिककाल → ① भारतेन्दु युग ② द्विवेदी युग ③ छायावाद ④ प्रगतिवाद ⑤ प्रयोगवाद ⑥ प्रपद्यवाद ⑦ नकेनवाद ⑧

- भारतीय राजैनतिक दृष्टि से इस समय भारत में सम्राट हर्षवर्धन (648 ई.) के शासन का अंत हो रहा था उसी समय हिन्दी साहित्य का उदय हो रहा था।
- आरम्भ में इस चरण में अप्रभंश एवं हिंदी भाषा का सम्मिलित प्रयोग किया जाता था इस अपभ्रंश मिश्रित हिन्दी को विविध विद्ववानों के द्वारा निम्नलिखित नामों से पुकारा गया है यथा -

हिन्दी + अपभ्रंश

(किस रूप मे जानते है) या क्या नाम दिया है

BPSC TRE 4.0 बिहार शिक्षक भर्ती — KGS TEACHING EXAM

क्र० स०	विद्वान का नाम	अपभ्रंश मिश्रित हिंदी का नामकरण
1.	आचार्य रामचंद्र शुक्ल	प्राकृताभास हिन्दी
2.	चंद्रधर शर्मा गुलेरी	पुरानी हिन्दी
3.	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी	परिष्कृत हिन्दी
4.	विद्यापति	देसिल बनिआ
5.	डॉ. नगेन्द्र	विकसित अप्रभंश या आर अपभ्रंश
6.	डॉ. भोलाशंकर व्यास	अवहट्ठ

आदिकाल का नामकरण : -

विविध विद्वानों के द्वारा हिंदी साहित्य इतिहास के प्रथम चरण को निम्नानुसार अलग-अलग नामों से पुकारा गया है। यथा -

क्र० स०	विद्वान का नाम	[illegible] का नामकरण
1.	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी	आदिकाल
2.	आचार्य रामचंद्र शुक्ल	वीरगाथा काल
3.	महावीर प्रसाद द्विवेदी	बीजवपन काल
4.	राहुल सांकृत्यायन	सिद्ध सामंत काल

BPSC TRE 4.0 बिहार शिक्षक भर्ती KGS TEACHING EXAM

क्र० स०	विद्वान का नाम	अपभ्रंश मिश्रित हिंदी का नामकरण
5.	डॉ. रामकुमार वर्मा	संधिकाल एंव चारण काल
6.	डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त	प्रारम्भिक काल / शून्य काल
7.	मिश्र बंधु	आरंभिक काल
8.	डॉ. रामशंकर शुक्ल 'रसाल'	जयकाव्य काल
9.	आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र	वीरकाल
10.	बाबू श्याम सुन्दर दास	वीरकाल / अपभ्रंश काल

क्र० स०	विद्वान का नाम	अपभ्रंश मिश्रित हिंदी का नामकरण
11.	चंद्रधर शर्मा गुलेरी	अपभ्रंश काल
12.	डॉ. धीरेन्द्र वर्मा	अपभ्रंश काल
13.	डॉ. बच्चन सिंह	अपभ्रंश काल जातीय साहित्य का उदय
14.	जार्ज अब्राहम गिर्यसन	चारण काल
15.	डॉ. पृथ्वीनाथ कमल (कुलश्रेष्ठ)	अंधकार काल
16.	रामखिलावन पाण्डेय	संक्रमण काल

क्र० स०	विद्वान का नाम	अपभ्रंश मिश्रित हिंदी का नामकरण
17.	मोहन अवस्थी	आधार काल
18.	डॉ. हरिश्चंद्र वर्मा	संक्रमण काल
19.	शम्भूनाथ सिंह	प्राचीन काल
20.	शैलेष जैदी	आविर्भाव काल
21.	वासुदेव सिंह	उद्भव काल
22.	रामप्रसाद मिश्र	सक्रांति काल

आदिकाल साहित्य की शैलियाँ :-

- आदिकालीन साहित्य में प्रमुखतः दो प्रकार की शैली को प्रयोग हुआ है।

1. पिंगल शैली
2. डिंगल शैली

राजस्थानी अपभ्रंश

ब्रज अपभ्रंश

1. पिंगल शैली :- अपभ्रंश मिश्रित ब्रज भाषा को पिंगल शैली के नाम सी पुकारा जाता है इस शैली की रचनाओं में कोमलकांत पदावली का अधिक प्रयोग किया जाता है।

2. डिंगल शैली : - अपभ्रंश मिश्रित राजस्थानी भाषा को डिंगल शैली के नाम से पुकारा जाता है। इस शैली की रचनाओं में कठोर, कर्कश, पदावली का प्रयोग किया जाता है।